No. of Printed Pages : 9

BHMCT–103

B. A. (HONS.) (PERFORMING ARTS)

HINDUSTAN MUSIC

(BAPFHMH)

Term-End Examination

December, 2023

BHMCT-103 : FUNDAMENTALS OF HINDUSTANI MUSIC

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *All questions are compulsory.*

1. Fill in the blanks in the following sentences with suitable options : 2×10=20

   (a) The ancient music was known as ..... and the professional artists who performed it were called .....

   (b) In ..... music following the rules was compulsory.

   (c) The predecessor of Raga was known as .....

(d) Bharat used .... to explain the interval between two Shruties.

(e) The time of Acharya Parshvadev, the author of 'Sangeet Samayasaar' was late .....

(f) ..... was the first commentator of 'Sangeet Ratnakar'.

(g) The verses (Pad) set to Swar and Taal is called .....

(h) Pandit Ahobal placed the Swaras on the ..... to explain the placement of Swaras.

(i) Bilawal was established as Shuddha Thaat in Baroda conference in ..... by ..... in the presence of many musicians of India.

(j) 'A Treatise on the Music of Hindustan' was written by .... of 19th century.

Options : Strings of Veena, Sarna Chatushtayi, Gandharv, Captain Willard, 1916, Singh Bhupal, Late 13th Century, Gaandharva, Margi, Jati, Pandit Bhatkhande, Prabandh.

2. Match the names of the books and the authors given below : 1×10=10

(a)	On the Musical Modes of Hindus	(i)	Jagdekamalla
(b)	Sangeet Parijat	(ii)	Sir Ernest Clements
(c)	Sangeet Chudamani	(iii)	Nishank Sharangdev
(d)	Shri Mallakshya-sangeetam	(iv)	Sir William Jones
(e)	Introduction to the Study of Indian Music	(v)	Raja Saurindra Mohan Tagor
(f)	Sangeet Ratnakar	(vi)	Pandit Ahobal
(g)	The Universal History of Music	(vii)	Pandit Vishnu Narayan Bhatkhande

(h)	Raagtarangini	(viii)	Pandit Vishnu Digambar Paluskar
(i)	The Music of Hindustan	(ix)	Pandit Lochan
(j)	Raag Pravesh	(x)	A. Popale

3. Write short notes on any *six* from the following topics : 6×5=30

   (a) Ancient Jati Gayan

   (b) Introduction of Shadaj Gram and its Moorchanas

   (c) Raga Vivek chapter of 'Sangeet Ratnakar'

   (d) Establishment of Shuddh Swaras on the strings of Veena by Pandit Ahobal

   (e) Medieval Raag-Ragini classification system

   (f) The contribution of Mr. Fox Stangeways in the field of Indian Music

   (g) Poorvang Vadi Raga

   (h) Description and Sargam Geet of Raga Bhupali

4. Write detailed answers of any *two* questions from the following : 2×20=40

   (a) Explain the history of Indian notation system.

   (b) Explain the Ragang classification system in detail.

   (c) State the role of western scholars in promoting Hindustani music abroad.

   (d) Explain in detail the use of Bharat's 'Sarana Chatushtayi'.

BHMCT–103

बी. ए. (ऑनर्स) (प्रदर्शन कला)

हिन्दुस्तानी संगीत

(बी. ए. पी. एफ. एच. एम. एच.)

दिसम्बर, 2023

बी. एच. एम. सी. टी.-103 : हिन्दुस्तानी संगीत के मूल सिद्धान्त

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

---

1. निम्नलिखित वाक्यों के खाली स्थान उचित विकल्पों से भरिए : 2×10=20

   (क) प्राचीन संगीत को ..... की संज्ञा दी गई थी तथा इसे गाने वाले पेशेवर कलाकारों को .... कहा जाता था।

   (ख)..... वह संगीत है, जिसमें नियमों का पालन अनिवार्य था।

   (ग) ..... राग के पूर्ववर्ती गायन विधा का नाम था।

(घ) एक श्रुति से दूसरी श्रुति के बीच के अन्तर को समझाने के लिए भरत ने .... का प्रयोग किया था।

(ङ) 'संगीत समयसार' के लेखक आचार्य पार्श्वदेव का समय ..... का उत्तरार्द्ध रहा होगा।

(च) ..... 'संगीत रत्नाकर' ग्रन्थ के प्रथम टीकाकार रहे।

(छ) स्वर तथा तालबद्ध पद को ..... कहा जाता था।

(ज) पंडित अहोबल ने स्वर स्थान को समझाने के लिए ..... पर स्वरों की स्थापना की।

(झ) बिलावल को शुद्ध थाट के रूप में सन् ..... में बड़ौदा कॉन्फ्रेन्स में ..... द्वारा भारत के कई संगीतज्ञों के सामने प्रतिष्ठित किया गया।

(ञ) 'A Treatise on the Music of Hindustan' उन्नीसवीं सदी के .... ने लिखा था।

विकल्प : वीणा के तारों, सारणा चतुष्टयो, गन्धर्व, कैप्टेन विलर्ड, 1916, सिंह भूपाल, तेरहवीं शताब्दी का उत्तराद्धं, गांधर्व, मार्गी, जाति, पं. भातखण्डे, प्रबन्ध।

2. नीचे दी गयी पुस्तक और ग्रन्थकारों के नामों का मिलान कीजिए : 1×10=10

(क)	On the Musical Modes of Hindus	(i)	जगदेकमल्ल
(ख)	संगीत पारिजात	(ii)	सर अर्नेस्ट क्लीमेंट्स
(ग)	संगीत चूड़ामणि	(iii)	नि:शंक शाङ्गंदेव
(घ)	श्री मल्लक्ष्यसंगीतम्	(iv)	सर विलियम जोन्स
(ङ)	Introduction to The Study of Indian Music	(v)	राजा सौरीन्द्र मोहन ठाकुर
(च)	संगीत रत्नाकर	(vi)	पं. अहोबल
(छ)	The Universal History of Music	(vii)	पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
(ज)	रागतरंगिणो	(viii)	पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर
(झ)	The Music of Hindustan	(ix)	पं. लोचन
(ञ)	राग प्रवेश	(x)	ए. पोपले

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **छः** विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 6×5=30

(क) प्राचीन जाति गायन

(ख) षडज ग्राम का परिचय तथा उसकी मूर्च्छनाएँ

(ग) 'संगीत रत्नाकर' ग्रन्थ का राग विवेक अध्याय

(घ) पंडित अहोबल द्वारा वीणा के तारों पर शुद्ध स्वरों की स्थापना

(ङ) मध्यकालीन राग-रागिनी वर्गीकरण पद्धति

(च) भारतीय संगीत के क्षेत्र में श्री फॉक्स स्ट्रंगवेज का योगदान

(छ) पूर्वांग वादी राग

(ज) राग भूपाली का परिचय और सरगम गीत

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के विस्तार से उत्तर दीजिए : 2×20=40

(क) भारतीय स्वरलिपि पद्धति का इतिहास बताइए।

(ख) रागांग वर्गीकरण पद्धति को सविस्तार बताइए।

(ग) भारतीय संगीत क विदेशों में प्रचार-प्रसार में पाश्चात्य विद्वानों की भूमिका बताइए।

(घ) भरत के 'सारणा चतुष्टयी' के प्रयोग का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।